FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (FYUGP) WITH SINGLE MAJOR & SINGLE MINOR AND THREE DISCIPLINE SPECIFIC MULTIDISCIPLINARY COURSE UNDER THE NEW CURRICULUM & CREDIT FRAMEWORK, 2022.

हिन्दी पाठ्यक्रम

SYLLABUS FOR HINDI

(Effective from 2024-25 Academic Session)

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

समानो मन्त्रः समितिः समानी

University of North Bengal
Raja Rammohunpur
Dist.-Darjeeling
734013

SINGLE MAJOR & SINGLE MINOR

Credit Allocation and Marks Distribution for the FYUGP in Hindi (SEM I & II)

Semester	Course Type	Course Code	Course Title	Credit	Total Marks
I	MAJ(TH)	HINDMAJ101	**हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) HINDI SAHITYA KA ITIHAS (AADIKAAL SE RITIKAAL TAK)**	4	80
	MAJ(TH)	HINDMAJ102	**आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य AADIKAALEEN EVAM MADHYAKALEEN KAVYA**	4	80
	MIN(TH)	HINDMIN101	**हिन्दी काव्य HINDI KAVYA**	4	80
	SEC(TH)	POOASEC103	**भाषा कौशल : विविध आयाम BHASHA KAUSHAL: VIVIDH AAYAAM**	3	60
	VAC(TH)		**ENVIRONMENTAL EDUCATION**	4	80
II	MAJ(TH)	HINDMAJ203	**हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल HINDI SAHITYA KA ITIHAS: AADHUNIK KAAL**	4	80
	MAJ(TH)	HINDMAJ204	**आधुनिक हिन्दी काव्य –1 AADHUNIK HINDI KAVYA–1**	4	80
	MIN(TH)	HINDMIN202	**हिन्दी कहानी HINDI KAHANI**	4	80
	SEC(TH)	POOBSEC216	**मीडिया सामग्री निर्माण MEDIA SAMAGRI NIRMAN**	3	60
	AEC(TH)		Compulsory English	4	80
	IDC(TH)			3	60

***Students have the option to complete their internship at the end of 2nd semester or 4th Semester during the summer recess.**

Question Pattern for Major, Minor & AEC Course (Theoretical): 60 Marks

Sl. No.	Questions to be answered	Out of	Marks of each question	Total Marks
1.	10	10	1	1×10=10
2.	4	6	5	5×4=20
3.	3	5	10	10×3=30

Question Pattern for SEC Course (Theoretical): 40 Marks

Sl. No.	Questions to be answered	Out of	Marks of each question	Total Marks
1.	5	5	1	1×5=5
2.	5	8	3	3×5=15
3.	2	4	10	10×2=20

SINGLE MAJOR & SINGLE MINOR

प्रथम सत्र

SEMESTER- I

MAJOR-1

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

HINDI SAHITYA KA ITIHAS (AADIKAAL SE RITIKAAL TAK)

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	HINDMAJ101	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- साहित्य के इतिहास की अवधारणा एवं इतिहास-दृष्टि से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- हिन्दी साहित्येतिहास के आरंभिक तीन कालखंडों की पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियों आदि को विद्यार्थियों के लिए बोधगम्य बनाना।
- काव्य के साथ साहित्येतिहास को प्रवृत्तिमूलक, समसामयिक एवं वर्तमान अर्थवत्ता से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों में बहुआयामी प्रश्नों की समझ विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• हिन्दी साहित्य के इतिहास को विद्यार्थी व्यावहारिक स्तर पर समझ पाएंगे। • साहित्य की वस्तुगत ही नहीं, उद्देश्यपरक औचित्य से परिचित होंगे। • आगामी सत्र के साहित्येतिहास की व्यावहारिक पृष्ठभूमि की समझ बनेगी।
कौशल दक्षता संबंधी	• साहित्येतिहास के बहुआयामी स्तर से विद्यार्थी अवगत होंगे।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई- 1 **(15 घंटे)**

- साहित्येतिहास की अवधारणा।
- हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा।
- काल विभाजन एवं नामकरण।

इकाई-2 **(15 घंटे)**

- आदिकाल – पृष्ठभूमि, समय-सीमा एवं नामकरण।
- आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ।
- आदिकालीन साहित्य – सिद्ध, नाथ, जैन, रासो, लौकिक एवं गद्य साहित्य।

इकाई-3 **(15 घंटे)**

- भक्तिकाल – पृष्ठभूमि, भक्ति का उदय और भक्ति आन्दोलन।
- भक्तिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।
- भक्तिकालीन विविध काव्यधाराएं : निर्गुण एवं सगुण।

इकाई-4 **(15 घंटे)**

- रीतिकाल – पृष्ठभूमि, समय-सीमा, नामकरण एवं प्रवृत्तियाँ ।
- रीतिकालीन विविध काव्य धाराएं एवं प्रमुख कवि।
- रीतिकालीन गद्य साहित्य।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	**20**		**60**

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, (सं.) डॉ. नगेन्द्र, मयूर बुक्स, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य की भूमिका, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन
7. आदिकालीन हिन्दी साहित्य : अध्ययन की दिशाएँ, (सं.) अनिल राय, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली
8. साहित्य और इतिहास दर्शन, डॉ. मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. सिद्ध साहित्य, डॉ. धर्मवीर भारती, किताब महल, इलाहाबाद
11. नाथ संप्रदाय, हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली
13. भक्ति आन्दोलन और काव्य, गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
14. भक्तिकाव्य और लोकजीवन, शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
15. भारतीय भक्ति-साहित्य, डॉ. राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
16. मध्ययुगीन काव्य-साधना, डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
17. हिन्दी साहित्य का अतीत, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन
18. रीतिकाव्य के विविध आयाम, सुधीन्द्र कुमार, स्वराज प्रकाशन
19. रीतिकाव्य की इतिहास दृष्टि, सुधीन्द्र कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
20. रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन, डॉ. रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन प्रा. लि.

SINGLE MAJOR & SINGLE MINOR

प्रथम सत्र

SEMESTER- I

MAJOR-2

आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य

AADIKAALEEN EVAM MADHYAKALEEN KAVYA

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	HINDMAJ102	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

- हिन्दी काव्य के प्रवृत्तिमूलक, समसामयिक एवं वर्तमान अर्थवत्ता से परिचित कराना।
- हिन्दी काव्य के परंपरा से अवगत कराना।
- धर्म, भक्ति एवं कर्मकांड के अंतर को ऐतिहासिक संदर्भ में विश्लेषित करना।
- आदिकालीन, भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन कवियों के समसामयिक सरोकार एवं वर्तमान अर्थवत्ता के सन्दर्भ में आलोचना के प्रतिमानों से अवगत कराना ।
- लोक और दरबार की रचनात्मक प्रेरक तत्त्वों से परिचित कराना ।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes) :

ज्ञान संबंधी	• आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन काव्य स्वरूप और उसकी सामाजिक उपादेयता समझ पाएंगे । • आदिकालीन काव्य का प्रवृत्तिमूलक अध्ययन कर सकेंगे । • भक्त कवियों की समसामयिक उपलब्धियां एवं उसमें निहित हमारे समय के लिए आवश्यक संभावनाओं से लाभान्वित होंगे। • रीतिकालीन कवियों की रचनाधर्मिता की समझ विकसित होगी।
कौशल दक्षता संबंधी	• काव्य की समाजशास्त्रीय समझ विकसित हो पाएगी।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई –1 **(15 घंटे)**

- **विद्यापति : विद्यापति, शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**

  पद सं. 5 (भल हर भल…)
  पद सं. 14 (चांद-सार लए मुख...)
  पद सं. 23 (सरस बसन्त समय...)
  पद सं. 54 (मधुपुर मोहन गेल…)

- **कबीर : कबीर ग्रंथावली, (सं.) डॉ. श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी**

  गुरुदेव कौ अंग : दोहा सं. 1 (सतगुर सवांन को सगा…)
  निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग : दोहा सं. 13 (कबीर कलियुग आइ करी…)
  माया कौ अंग : दोहा सं. 21 (कबीर माया पापिणीं…)
  मधि कौ अंग : दोहा सं. 10 (काबा फिर कासी भया…)
  पद सं. 16 (संतौं भाई आई ग्यान...)
  पद सं. 202 (ऐसा रे अवधू की वाणी...)
  पद सं. 246 (तेरा तेरा झूठा मीठा लागा...)

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **जायसी : जायसी ग्रंथावली, (सं.) रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी**

  पद्मावत
  स्तुतिखंड : पद सं. 1 (सुमिरौ आदि एक करतारू…)
  मानसरोवर खंड : पद सं. 8 (कहा मानसर चाह सो पाई…)
  षटऋतु वर्णन खंड : पद सं. 5 (प्रथम बसंत नवल ऋतु आई…)
  नागमती वियोग खंड : पद सं. 1(नागमति चितउर पथ होरा…)

- **सूरदास : सूर सुषमा, नंददुलारे वाजपेयी, काशी प्रचारिणी सभा, काशी**

  पद सं. 1 (अविगत-गति कछु कहत न आवै…)
  पद सं. 21 (किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत…)

  भ्रमरगीतसार, रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

  पद सं. 25 (आए जोग सिखावन पाँड़े…)
  पद सं. 52 (हमारे हरि हारिल की लकड़ी…)

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **तुलसीदास : कवितावली (उत्तरकाण्ड), गीता प्रेस, गोरखपुर**

  पद सं. 83 (जागिए न सोइए...)

  पद सं. 97 (खेती न किसानको...)

  पद सं. 104 (आगम, बेद, पुरान...)

  पद सं. 106 (धूत कहौ, अवधूत कहौ...)

- **मीराबाई :** मीराँबाई की पदावली, (सं.) परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन,प्रयाग

  पद सं. 18 (म्हाराँ री गिरधर गोपाल...)

  पद सं. 26 (आली सहेल्याँ रली कराँ हे...)

  पद सं. 32 (नहिं सुख भावै थारो देसलड़ो...)

  पद सं. 33 (राणो म्हाँने या बदनामी लगे...)

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **बिहारी : बिहारी रत्नाकर, (सं.) जगन्नाथ दस 'रत्नाकर',लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**

  दोहा सं. 1(मेरी भव-बाधा हरौ….स्यामु हरित-दुति होइ)

  दोहा सं. 32(कहत, नटत, रीझत….नैननु हीं सब बात)

  दोहा सं. 42(मंगलु बिंदु सुरंगु…..रसमय किय लोचन-जगत)

  दोहा सं. 141(जपमाला, छापैं…….साँचै राँचै रामु)

  दोहा सं. 205(नई लगनि, कुल की…. लौं दिनु जाइ)

  दोहा सं. 227(सोवत, जागत…..सु रति बिसरें हूँ बिसरे न)

  दोहा सं. 300(स्वारथु, सुकृतु…..पानि परि तूं पच्छीनु न मारि)

  दोहा सं. 472(बतरस-लालच लाल की…… दैन कहैं नटि जाइ)

- **घनानंद : घनानंद कवित्त, (सं.) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी**

  पद सं.8(हीन भएँ जल मीन.....जान ही जानै)

  पद सं.15(रावरे रूप की रीति.....हाथन हारियै)

  पद सं.70(ए रे वीर पौन.....नेकु आनि दै)

  पद सं.82(अति सूधो सनेह को.....छटांक नहीं)

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	**20**		**60**

अनुशंसित ग्रंथ :

1. मध्ययुगीन काव्य साधना, डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. मध्ययुगीन काव्य प्रतिभाएं, डॉ. रामकली सर्राफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली
4. भक्ति आन्दोलन और काव्य, गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भक्तिकाव्य और लोकजीवन, शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. विद्यापति की पदावली, रामवृक्ष बेनीपुरी, पुस्तक भंडार, लहेरियासराय, पटना
7. विद्यापति : अनुशीलन एवं मूल्यांकन, डॉ वीरेंद्र श्रीवास्तव, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
8. कबीर पुनर्पाठ/ पुनर्मूल्यांकन, परमानन्द श्रीवास्तव, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
9. पूरा कबीर, (सं.) बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
10. कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. अकथ कहानी प्रेम की, पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
12. जायसी: एक नयी दृष्टि, रघुवंश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
13. जायसी, विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद
14. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
15. महाकवि सूरदास, नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
16. सूर और उनका भ्रमरगीत, डॉ. किशोरी लाल, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
17. सूर-साहित्य, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
18. लोकवादी तुलसीदास, विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
19. तुलसी की साहित्य साधना, डॉ. लल्लन राय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
20. गोस्वामी तुलसीदास, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

21. मीरा पदावली, विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
22. मीरा : एक पुनर्मूल्यांकन, पल्लव, आधार प्रकाशन, पंचकूला
23. बिहारी का नया मूल्यांकन, बच्चन सिंह, लोक भारती प्रकाशन
24. बिहारी की वाग्विभूति- आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी
25. बिहारी और घनानंद : एक अनुचिंतन, डॉ. अमलदार 'नीहार', विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
26. घनानंद काव्य और आलोचना, डॉ. किशोरीलाल, साहित्य भवन (प्रा.) लिमिटेड, इलाहाबाद
27. घनानंद और स्वच्छंद काव्य धारा, मनोहर लाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

SINGLE MAJOR & SINGLE MINOR

प्रथम सत्र

SEMESTER- I

MINOR-1

हिन्दी काव्य

HINDI KAVYA

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MIN(Theory)	HINDMIN101	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिन्दी के महत्त्वपूर्ण कवि एवं काव्य से अवगत कराना।
- हिन्दी कविता का प्रवृत्तिगत बोध कराना।
- काव्य की भावगत एवं शिल्पगत उपलब्धियों से परिचित कराना।
- हिन्दी कविता की परंपरा का सामान्य बोध कराना।
- काव्य विधा के प्रति रुचि विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी हिन्दी काव्य का प्रवृत्तिमूलक ज्ञान अर्जित करेंगे। • विद्यार्थियों में व्याख्या करने की क्षमता विकसित होगी।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी काव्य के शिल्प पक्ष का ज्ञान प्राप्त कर काव्य-सृजन की ओर प्रवृत्त होंगे।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **कबीरदास : कबीर ग्रंथावली, (सं.) डॉ. श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी**

  गुरुदेव कौ अंग : दोहा सं. 3 (सतगुरु की महिमा...)
  साध कौ अंग : दोहा सं. 4 (मेरे संगी दोइ...)
  सूरा तन कौ अंग : दोहा सं. 21 (प्रेम न खेतौं...)
  बिरह कौ अंग : दोहा सं. 21 (बिरहा बिरहा जिनि....)

- **तुलसीदास : दोहावली, (अनु.) हनुमान प्रसाद पोद्दार, गीता प्रेस, गोरखपुर**

  दोहा सं. 6 (राम नाम मनि दीप धरु…)
  दोहा सं. 99 (करमठ कठमलिया कहै…)
  दोहा सं. 182 (राम राज राजत सकल धाम...)
  दोहा सं. 337 (नीच निचाई नहिं तजइ…)

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **बिहारी : बिहारी रत्नाकर, (सं.) जगन्नाथदास 'रत्नाकर', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**

  दोहा सं. 1 (मेरी भव-बाधा हरौ…)
  दोहा सं. 265 (सहित सनेह, सकोच सुख…)
  दोहा सं. 363 (दृग उरझत, टूटत कुटुम्ब…)
  दोहा सं. 461 (इक भीजैं, चहलैं परैं…)

- **घनानन्द : घनानंद कवित्त, (सं.) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी**

  पद सं. 5 (जासों प्रीति ताहि निठुराई...)
  पद सं. 15 (रावरे रूप की रीति...)
  पद सं. 82 (अति सूधो सनेह को मारग...)

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **भारतेंदु हरिश्चंद्र :**

  नये जमाने की मुकरी (आरंभिक 6 मुकरियां)
  'हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान' शीर्षक कविता से –
  छंद सं. 5 (निज भाषा उन्नति अहै सब ...)
  छंद सं. 9 (यह सब भाषा काम...)
  छंद सं. 78 (अंगरेजी अरु फारसी ....)

- **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :**

  राजे ने अपनी रखवाली की
  तोड़ती पत्थर

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'** :

  साँप
  नदी के द्वीप

- **रघुवीर सहाय :**

  हँसो-हँसो जल्दी हँसो
  पढ़िए गीता

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**असाइनमेंट / समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	**20**		**60**

अनुशंसित ग्रंथ :

1. कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कबीर पुनर्पाठ/ पुनर्मूल्यांकन, (सं.) परमानन्द श्रीवास्तव, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
3. कबीर की भाषा, महेंद्र, आर्य प्रकाशन मंडल, दिल्ली
4. गोस्वामी तुलसीदास, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
5. लोकवादी तुलसीदास, विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. बिहारी का नया मूल्यांकन, बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. बिहारी नवनीत, डॉ. रवीन्द्रकुमार जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

8. घनानंद काव्य और आलोचना, डॉ. किशोरीलाल, साहित्य भवन (प्रा.) लिमिटेड, इलाहाबाद
9. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा, मनोहर लाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
10. महाकवि घनानंद, डॉ. राज बुद्धिराजा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
11. मध्ययुगीन काव्य साधना, डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
12. मध्ययुगीन काव्य प्रतिभाएं, डॉ. रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
13. रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली
14. भारतेंदु संचयन, (सं.) रामजी यादव, भारतीय पुस्तक परिषद, नई दिल्ली
15. निराला, डॉ. रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
16. निराला का काव्य, डॉ. बच्चन सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला
17. छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. अज्ञेय : कवि कर्म का संकट, कृष्णदत्त पालीवाल, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
19. अज्ञेय का काव्य, प्रणय कृष्ण, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
20. अज्ञेय कवि और काव्य, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
21. अज्ञेय की कविता परंपरा और प्रयोग, रमेश ऋषिकाव्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
22. रघुवीर सहाय का काव्य एक अनुशीलन, डॉ. शोभा साहेब राणे, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
23. रघुवीर सहाय की काव्यानुभूति और काव्यभाषा, डॉ. अनंतकीर्ति तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन

SINGLE MAJOR & SINGLE MINOR

प्रथम सत्र
SEMESTER- I

SEC-1

भाषा कौशल : विविध आयाम
BHASHA KAUSHAL: VIVIDH AAYAAM

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
SEC (Theory)	POOASEC103	45	3	2	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- व्याकरण-बोध द्वारा अकादमिक एवं प्रतियोगितामूलक चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना।
- दैनिक जीवन एवं रोजगारपरक उद्देश्य की दिशा में विद्यार्थियों को सक्षम बनाना।
- शुद्ध, सार्थक एवं प्रभावी बहुआयामी अभिव्यक्ति-कौशल से अवगत कराना।
- भाषा कौशल के विविध आयामों से अवगत कराना।
- मीडिया की भाषिक प्रकृति से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी दैनिक, अकादमिक एवं रोजगार की दिशा में अपनी अभिव्यक्ति को समृद्ध कर पाएंगे। • आगामी सत्र में मीडिया सामग्री निर्माण के लिए भाषाई सामर्थ्य विकसित कर पाएंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• वर्तमान मीडिया युग के अनुकूल अपने भाषा कौशल की पहचान कर सकेंगे। • अकादमिक सामग्री के पठन एवं उत्तर-पुस्तिका लेखन की क्षमता विकसित होगी।
रोजगार संबंधी	• रोजगार की अपार संभावनाओं के साथ मीडिया जगत में अपनी प्रतिभा को सार्थक कर पाएंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(14 घंटे)**

हिन्दी व्याकरण-बोध

- वर्ण विचार – वर्ण की परिभाषा, वर्ण-भेद एवं वर्ण-विच्छेद।
- शब्द विचार – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, कारक, संधि, समास, वचन, लिंग, उपसर्ग, प्रत्यय।
- संक्षेपण, भाव पल्लवन, पद्यांश/गद्यांश का व्याकरण आधारित वस्तुनिष्ठ अध्ययन।

इकाई – 2 **(13 घंटे)**

भाषा कौशल के विविध सोपान

- **श्रवण, भाषण, वाचन एवं लेखन कौशल** – परिभाषा, प्रकार, प्रक्रिया, प्रयोजन एवं विकास।

इकाई – 3 **(13 घंटे)**

मीडिया की भाषा

- मुद्रित मीडिया – समाचार-पत्र(राजनीतिक-सामाजिक, खेल, बाजार), पत्रिका, विज्ञापन, बैनर-पोस्टर।
- श्रव्य मीडिया – रेडियो एवं एफ.एम. रेडियो।
- दृश्य-श्रव्य मीडिया – टेलीविजन एवं सिनेमा।
- न्यू मीडिया – इंटरनेट एवं सोशल मीडिया।

➢ **<u>प्रायोगिक परीक्षा हेतु निर्धारित विषय</u>** **(5 घंटे)**

- प्रिंट, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य लेखन एवं संपादन, डिजिटल लेखन एवं संपादन, प्रूफ़ रीडिंग।
- भाषा कौशल के विविध सोपान आधारित गतिविधियां।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

	सत्रांत परीक्षा (प्रैक्टिकल)			**सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिक) निर्धारित समय : 2 घंटे**
घटक	परियोजना कार्य	परियोजना की प्रस्तुति	प्रायोगिक परीक्षा	
निर्धारित अंक	05	05	10	
पूर्णांक (60)	**20**			**40**

अनुशंसित ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन प. ब्यू., इलाहाबाद
2. हिन्दी व्याकरण, कामताप्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. हिन्दी : शब्द, अर्थ, प्रयोग, हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी शब्द सामर्थ्य, कैलाशचन्द्र भाटिया, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी शिक्षण, डॉ. एस एन श्रीवास्तव, डॉ. सुरेन्द्र सिंह, कादियान जगदम्बा पब्लिशिंग कम्पनी,
6. समाचार पत्रों की भाषा, डॉ. माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. मीडिया और हिन्दी, (सं.) जाधव केशव मौर्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. मीडिया की बदलती भाषा, डॉ. अजय कुमार सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. मीडिया की भाषा लीला, रविकान्त, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प, डॉ. मनोहर प्रभाकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. मीडिया लेखन और संपादन कला, गोविन्द प्रसाद एवं अनुपम पाण्डेय, डिस्कवरी हाउस, दिल्ली
12. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया भाषा, लेखन कला तथा तकनीकी प्रविधि, माया सगरे लक्का, विकास प्रकाशन, कानपुर
13. नया मीडिया नई भाषा, डॉ. सोनाली नरगुंदे, डॉक्टर नम्रता शर्मा, रिजी पब्लिकेशन, पंजाब
14. द आर्ट ऑफ़ पब्लिक स्पीकिंग, डेल कारनेगी, अमृत बुक्स, नई दिल्ली
15. अच्छा बोलने की कला और कामयाबी, डेल कारनेगी, प्रभात पेपरबैक्स, दिल्ली

SINGLE MAJOR & SINGLE MINOR

द्वितीय सत्र
SEMESTER-II

MAJOR-3

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल
HINDI SAHITYA KA ITIHAS: AADHUNIK KAAL

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	HINDMAJ203	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिन्दी के महत्त्वपूर्ण कवि एवं काव्य से अवगत कराना।
- हिन्दी कविता का प्रवृत्तिगत बोध कराना।
- काव्य की भावगत एवं शिल्पगत उपलब्धियों से परिचित कराना।
- हिन्दी कविता की परंपरा का सामान्य बोध कराना।
- काव्य विधा के प्रति रुचि विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी हिन्दी काव्य का प्रवृत्तिमूलक ज्ञान अर्जित करेंगे। • विद्यार्थियों में व्याख्या करने की क्षमता विकसित होगी।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी काव्य के शिल्प पक्ष का ज्ञान प्राप्त कर काव्य-सृजन की ओर प्रवृत्त होंगे।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- आधुनिक काल – पृष्ठभूमि, आधुनिकता की अवधारणा।
- हिन्दी नवजागरण, फोर्ट विलियम कॉलेज और हिन्दी।
- गद्य विधाओं का सामान्य अध्ययन– कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध एवं आत्मकथा।

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- भारतेंदु युग – पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, भारतेंदु मंडल एवं प्रमुख पत्र-पत्रिकाएं।
- द्विवेदी युग – पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं प्रमुख पत्र-पत्रिकाएं।

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- छायावाद – पृष्ठभूमि, स्वच्छन्दतावाद बनाम छायावाद, प्रवृत्तियाँ, समानान्तर काव्यधाराएं (राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा, हालावाद) ।
- प्रगतिवाद – वैचारिक पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- प्रयोगवाद एवं नई कविता – पृष्ठभूमि, अवधारणा एवं प्रवृत्तियाँ।
- साठोत्तरी कविता एवं समकालीन कविता –पृष्ठभूमि, अवधारणा एवं प्रवृत्तियाँ।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			**सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)**
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	**20**		**60**

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. साहित्यिक निबंध, डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजय बहादुर सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन
3. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य, अज्ञेय, राजपाल एंड संस
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
6. आधुनिक साहित्य, नंददुलारे वाजपेई, राजकमल प्रकाशन
7. हिन्दी नवजागरण : भारतेंदु और उनके बाद, शंभुनाथ, वाणी प्रकाशन
8. हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, डॉ. अमित कुमार सिंह, भारती प्रकाशन
9. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
10. छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
11. छायावाद की प्रासंगिकता, रमेशचंद्र शाह, सेतु प्रकाशन समूह
12. छायावाद : उत्थान-पतन-पुनर्मूल्यांकन, रमेश कुंतल मेघ
13. प्रसाद-निराला-अज्ञेय, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभरती प्रकाशन
14. कविता के नए प्रतिमान, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
15. नई कविता के प्रतिमान, लक्ष्मीकांत वर्मा, भारती प्रेस प्रकाशन
16. प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य, रेखा अवस्थी, राजकमल प्रकाशन
17. नई कविता और अस्तित्ववाद, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
18. समकालीन हिन्दी साहित्य : विविध परिदृश्य, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राधाकृष्ण प्रकाशन
19. तार सप्तक, अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ
20. दूसरा सप्तक, अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ
21. तीसरा सप्तक, अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ
22. समकालीनता और साहित्य, राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन
23. रस्साकशी, वीरभारत तलवार, सारांश प्रकाशन, दिल्ली
24. राष्ट्रीय काव्यधारा, सं०- कन्हैया सिंह, वाणी प्रकाशन

द्वितीय सत्र
SEMESTER-II

MAJOR-4

आधुनिक हिन्दी काव्य –1
AADHUNIK HINDI KAVYA–1

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	HINDMAJ204	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिन्दी के महत्त्वपूर्ण कवि एवं काव्य से अवगत कराना।
- हिन्दी कविता का प्रवृत्तिगत बोध कराना।
- काव्य की भावगत एवं शिल्पगत उपलब्धियों से परिचित कराना।
- हिन्दी कविता की परंपरा का सामान्य बोध कराना।
- काव्य विधा के प्रति रुचि विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी हिन्दी काव्य का प्रवृत्तिमूलक ज्ञान अर्जित करेंगे। • विद्यार्थियों में व्याख्या करने की क्षमता विकसित होगी।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी काव्य के शिल्प पक्ष का ज्ञान प्राप्त कर काव्य-सृजन की ओर प्रवृत्त होंगे।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **भारतेंदु हरिश्चंद्र :** भारत दुर्दशा (**पहिला अंक –** रोअहु सब मिलिकै आवहु भारत भाई), नए जमाने की मुकरी
- **अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' :** प्रिय प्रवास (17वां सर्ग)

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **जयशंकर प्रसाद :** पेशोला की प्रतिध्वनि, ले चल वहां भुलावा देकर
- **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :** जुही की कली, तोड़ती पत्थर

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **सुमित्रानंदन पंत :** छोड़ द्रुमों की मृदु छाया, ताज
- **महादेवी वर्मा :** अग्नि-स्तवन, मैं नीर भरी दुख की बदली

इकाई– 4 **(15 घंटे)**

- **रामधारी सिंह 'दिनकर' :** कुरुक्षेत्र (षष्ठ सर्ग)
- **द्रुत पाठ :** मैथिलीशरण गुप्त, सुभद्रा कुमारी चौहान, हरिवंश राय बच्चन, गोपाल सिंह 'नेपाली'

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			**सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)**
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	**20**		**60**

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भारत दुर्दशा, संपादक- लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन
2. भारतेंदु संचयन, सं०- रामजी यादव, भारतीय पुस्तक परिषद
3. प्रियप्रवास, अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध', लोकभारती प्रकाशन
4. जयशंकर प्रसाद, नंद दुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन
5. लहर, जयशंकर प्रसाद, कला मंदिर
6. प्रतिनिधि कविताएँ, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, राजकमल प्रकाशन
7. कुरूक्षेत्र, दिनकर, राजपाल एंड संस
8. महादेवी वर्मा एवं उनकी प्रतिनिधि कविताएँ, साहित्य सरोवर
9. तारापथ, सुमित्रानंनदन पंत, रीगल बुक डिपो
10. पंत और उनका तारापथ, सं० डॉ. देशराजसिंह भाटी, अशोक प्रकाशन
11. सुमित्रानंनदन पंत का काव्य विकास, डॉ. अस्मिता सिन्हा, संजय बुक सेंटर
12. कविवर सुमित्रानंनदन पंत डॉ. सुरेशचंद्र गुप्त, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान
13. महाकवि सुमित्रानंनदन पंत, सं०- हरिमोहन मालवीय, हिन्दुस्तानी एकाडमी
14. महादेवी, इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन
15. महादेवी, प्रतिनिधि कविताएँ, भारतीय ज्ञानपीठ
16. आधुनिक हिन्दी कविता : युगीन संदर्भ, अरुण होता,
17. निराला की साहित्य साधना, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
18. निराला, रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन
19. निराला का काव्य, डॉ. बच्चन सिंह, आधार प्रकाशन
20. हरिवंश राय बच्चन की साहित्य साधना, सं०- पुष्पा भारती, वाणी प्रकाशन
21. मेरी श्रेष्ठ कविताएँ, हरिवंश राय बच्चन, राजपाल एंड संस
22. राष्ट्रभक्त कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान, प्रभात प्रकाशन
23. हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा और युगीन संदर्भ, डॉ. प्रज्ञा पांडेय, संजय बुक सेंटर
24. प्रतिनिधि कविताएँ : गोपाल सिंह 'नेपाली', राजकमल प्रकाशन
25. युगचारण दिनकर, सावित्री सिन्हा, सेतु प्रकाशन
26. दिनकर, सं०- सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन
27. मैथिलीशरण गुप्त : विशेष अध्ययन, नंद किशोर पांडेय, केंद्रीय हिन्दी संस्थान
28. हरिवंशराय बच्चन : प्रतिनिधि कविताएँ, सं०- मोहन गुप्त, राजकमल प्रकाशन
29. आधुनिक कविता यात्रा, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन

30. निराला : एक पुनर्मूल्यांकन, सं०- डॉ. ए. अरविन्दाक्षन, आधार प्रकाशन
31. निराला और समकालीन हिन्दी कविता, बीना शर्मा, ज्ञान भारती
32. प्रसाद का काव्य, प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन
33. आधुनिक हिन्दी कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन
34. महादेवी, परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन
35. निराला का काव्य, डॉ. बच्चन सिंह, आधार प्रकाशन
36. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और नवजागरण की समस्याएँ, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन

SINGLE MAJOR & SINGLE MINOR

द्वितीय सत्र
SEMESTER-II

MINOR-2
हिन्दी कहानी
HINDI KAHANI

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MIN(Theory)	HINDMIN202	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिन्दी कहानी विधा एवं प्रमुख कहानीकारों से अवगत कराना।
- हिन्दी कहानी आन्दोलनों के विकास एवं युगीन प्रभाव का अध्ययन कराना।
- कहानी विधा के प्रति रुचि विकसित करना।
- हिन्दी कहानी का तात्त्विक अध्ययन कराना।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की प्रासंगिकता पर विचार करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी हिन्दी कहानी का वस्तुगत ज्ञान अर्जित करेंगे। • विद्यार्थियों में कहानी को समझने की क्षमता विकसित होगी। • कहानी की प्रासंगिकता पर विचार कर सकेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी कहानी विधा के शिल्प पक्ष का ज्ञान प्राप्त कर कथा-सृजन की ओर प्रवृत्त होंगे। • विद्यार्थियों में भाषागत दक्षता का विकास होगा।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **प्रेमचंद** – नमक का दारोगा
- **जयशंकर प्रसाद** – छोटा जादूगर

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **जैनेंद्र कुमार** – अपना अपना भाग्य
- **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'**– रोज

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **यशपाल** – परदा
- **भीष्म साहनी** – अमृतसर आ गया

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **अमरकांत** – डिप्टी कलक्टरी
- **मन्नू भंडारी** – त्रिशंकु

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**असाइनमेंट / समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	**20**		**60**

अनुशंसित ग्रंथ :

1. कहानी नई कहानी - नामवर सिंह, राज कमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. कहानी आंदोलन की भूमिका- बलिराज पांडे, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. आज की हिन्दी कहानी- विजय मोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति- संपादक देवी शंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. नई कहानी की भूमिका- कमलेश्वर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. कहानी स्वरूप और संवेदना- राजेंद्र यादव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. हिन्दी कहानी प्रक्रिया और पाठ- सुरेंद्र चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. आधुनिक हिन्दी कहानी- डॉक्टर लक्ष्मी नारायण लाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. कहानी: अनुभव एवं अभिव्यक्ति- राजेंद्र यादव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. नई कहानी का स्वरूप विवेचन- डॉक्टर इंदू रश्मि, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली।
11. समकालीन हिन्दी कहानी- डॉक्टर पुष्पाल सिंह, इरियाना साहित्य अकादमी, चंडीगढ़।
12. समकालीन हिन्दी कहानी और समाजवादी चेतना- डॉक्टर किरण बाला, अनुभव प्रकाशन, कानपुर।
13. स्वातंत्रोत्तर हिन्दी कहानी- डॉक्टर रमेश कुमार गुप्त, हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद।
14. समकालीन कहानी: दिशा एवं दृष्टि- डॉक्टर धनंजय, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
15. हिन्दी कहानी अपनी जबानी- इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
16. हिन्दी कहानी की विकास यात्रा- आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन।
17. समकालीन कहानी का रचना विधान- गंगा प्रसाद विमल, सुषमा पुस्तकालय, दिल्ली।
18. समकालीन कहानी: नया परिप्रेक्ष्य- पुष्पपाल सिंह, सामयिक बुक्स, दिल्ली।

SINGLE MAJOR & SINGLE MINOR

द्वितीय सत्र
SEMESTER-II

SEC-2
मीडिया सामग्री निर्माण
MEDIA SAMAGRI NIRMAN

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
SEC (Theory)	POOBSEC216	45	3	2	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को अपनी पाठ्य सामग्री की डिजिटल प्रस्तुति में सक्षम बनाना।
- विद्यार्थियों को मीडिया जगत में रोजगार के लिए सक्षम बनाना।
- विशेषकर भाषा साहित्य के विद्यार्थियों को साहित्य में निहित मूल्यों के तहत मीडिया के प्रति उनकी जवाबदेही को गंभीर बनाना।
- न्यू-मीडिया में रोजगार के अवसरों से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes) :

ज्ञान संबंधी	• डिजिटल दौर में विद्यार्थी अपनी पाठ्य सामग्री को सार्थक एवं आकर्षक ढंग से तैयार कर सकेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• साहित्य से अर्जित मानव मूल्यों को डिजिटल प्लेटफार्म पर साकार कर पाएंगे। • मोबाइल के माध्यम से अपने सृजनात्मक कौशल को विकसित कर पाएंगे।
रोजगार संबंधी	• बहुआयामी मीडिया में रोजगार के अवसर लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई-1 **(15 घंटे)**

मीडिया सामग्री निर्माण

- अवधारणा, प्रकार, विविध रूप, चरण एवं प्रस्तुति कला।
- सामग्री निर्माण हेतु विविध उपकरण– टंकण (लेखन) एवं संपादन, ऑडियो-वीडियो, फोटोग्राफी, ग्राफिक एवं डिजाइन के उपकरण।

इकाई-2 **(15 घंटे)**

विविध मीडिया सामग्री : परिचय एवं निर्माण प्रक्रिया

- **मुद्रित सामग्री** – समाचार, फीचर, पटकथा, फ्लेक्स, बैनर, होर्डिंग, पोस्टर, विवरणिका।
- **श्रव्य सामग्री** – रेडियो, एफ.एम. रेडियो, ऑडियोबुक।
- **दृश्य-श्रव्य सामग्री** – समाचार वाचन, साक्षात्कार, टॉक शो, समूह चर्चा (पैनल डिस्कशन), एंकरिंग, वॉक्सपॉप, वॉकथ्रू, लघु फिल्म एवं डॉक्यूमेंट्री ।

इकाई-3 **(10 घंटे)**

न्यू मीडिया सामग्री : परिचय एवं निर्माण प्रक्रिया

- ब्लॉगिंग, व्लॉगिंग, पॉडकास्ट, रील्स, शॉर्ट्स।

➢ **<u>प्रायोगिक परीक्षा हेतु निर्धारित विषय</u>** **(5 घंटे)**

- समाचार, रिपोर्टिंग, बैनर, होर्डिंग, पोस्टर, विवरणिका
- कहानी का पटकथा रूपांतरण अथवा पटकथा लेखन
- मुद्रित, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य एवं बहुमाध्यम सामग्री निर्माण
- पॉडकास्ट, साक्षात्कार, उपयोगी एवं प्रेरक रील्स, एंकरिंग, टॉक शो, पैनल डिस्कशन, वॉक्स पॉप, वॉकथ्रू

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

	सत्रांत परीक्षा (प्रैक्टिकल)			**सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिक) निर्धारित समय : 2 घंटे**
घटक	परियोजना कार्य	परियोजना की प्रस्तुति	प्रायोगिक परीक्षा	
निर्धारित अंक	05	05	10	
पूर्णांक (60)	**20**			**40**

अनुशंसित ग्रंथ –

1. कंटेंट मंत्रा, इरफान-ए-आज़म किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कंप्यूटर और हिन्दी, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
3. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प, डॉ. मनोहर प्रभाकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. समाचार एवं प्रारूप-लेखन, डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेशकुमार गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन
5. पटकथा लेखन -एक परिचय, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. टेलीविजन की भाषा, हरीशचन्द्र बर्णवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. रेडियो वार्ता शिल्प, सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
8. भारत में प्रिंट, इलेक्ट्रोनिक और न्यू मीडिया, संदीप कुलश्रेष्ठ, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
9. इलेक्ट्रानिक मीडिया भाषिक संस्कार और संस्कृति, डॉ. साकेत सहाय, मानव प्रकाशन, दिल्ली
10. हिन्दी विज्ञापन सरंचना और प्रभाव, डॉ. सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. टीवी एंकरिंग चैनलों के चेहरे, डॉ. श्याम कश्यप एवं मुकेश कुमार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
12. मीडिया में कैरियर, पुष्पेन्द्र कुमार आर्य, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली
13. डिजिटल मीडिया, इरफ़ान-ए-आज़म, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
14. प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धांत और प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
15. संवाद एवं संपादन कला, मधुसूदन त्रिपाठी, साहित्य संचयन प्रकाशन, नई दिल्ली
16. समाचार पत्र प्रबंधन, गुलाब कोठारी, राजेस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी , जयपुर

THREE DISCIPLINE SPECIFIC MULTIDISCIPLINARY COURSE

Credit Allocation and Marks Distribution for the FYUGP in Hindi (SEM I & II)

Semester	Course Type	Course Code	Course Title	Credit	Total Marks
I	DSC(TH)	HINDDSC101	हिन्दी काव्य **HINDI KAVYA)**	4	80
	DSC(TH)		DSC-B (अन्य विषय से)	4	80
	MIN(TH)	HINDMIN101	हिन्दी काव्य **HINDI KAVYA**	4	80
	SEC(TH)	POOASEC103	भाषा कौशल : विविध आयाम **BHASHA KAUSHAL: VIVIDH AAYAAM**	3	60
	VAC(TH)		**UNDERSTANDING INDIA**	4	80
II	DSC(TH)	HINDDSC202	हिन्दी कहानी **HINDI KAHANI**	4	80
	DSC(TH)		DSC-B (अन्य विषय से)	4	80
	MIN(TH)	HINDMIN202	हिन्दी कहानी **HINDI KAHANI**	4	80
	SEC(TH)	POOBSEC216	मीडिया सामग्री निर्माण **MEDIA SAMAGRI NIRMAN**	3	60
	AEC(TH)	HINDAEC001	हिन्दी : सृजन और संप्रेषण **HINDI : SRIJAN AUR SAMPRESHAN**	4	80
	IDC(TH)			3	60

***Students have the option to complete their internship at the end of 2nd semester or 4th Semester during the summer recess.**

Question Pattern for DSC, Minor & AEC Course (Theoretical): 60 Marks

Sl. No.	Questions to be answered	Out of	Marks of each question	Total Marks
1.	10	10	1	1×10=10
2.	4	6	5	5×4=20
3.	3	5	10	10×3=30

Question Pattern for SEC Course (Theoretical): 40 Marks

Sl. No.	Questions to be answered	Out of	Marks of each question	Total Marks
1.	5	5	1	1×5=5
2.	5	8	3	3×5=15
3.	2	4	10	10×2=20

THREE DISCIPLINE SPECIFIC MULTIDISCIPLINARY COURSE

प्रथम सत्र

SEMESTER- I

DSC-1

हिन्दी काव्य

HINDI KAVYA

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
DSC(Theory)	HINDDSC101	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिन्दी के महत्त्वपूर्ण कवि एवं काव्य से अवगत कराना।
- हिन्दी कविता का प्रवृत्तिगत बोध कराना।
- काव्य की भावगत एवं शिल्पगत उपलब्धियों से परिचित कराना।
- हिन्दी कविता की परंपरा का सामान्य बोध कराना।
- काव्य विधा के प्रति रुचि विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी हिन्दी काव्य का प्रवृत्तिमूलक ज्ञान अर्जित करेंगे। • विद्यार्थियों में व्याख्या करने की क्षमता विकसित होगी।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी काव्य के शिल्प पक्ष का ज्ञान प्राप्त कर काव्य-सृजन की ओर प्रवृत्त होंगे।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **कबीरदास : कबीर ग्रंथावली, (सं.) डॉ. श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी**

  गुरुदेव कौ अंग : दोहा सं. 3 (सतगुरु की महिमा...)
  साध कौ अंग : दोहा सं. 4 (मेरे संगी दोइ...)
  सूरा तन कौ अंग : दोहा सं. 21 (प्रेम न खेतौं...)
  बिरह कौ अंग : दोहा सं. 21 (बिरहा बिरहा जिनि....)

- **तुलसीदास : दोहावली, (अनु.) हनुमान प्रसाद पोद्दार, गीता प्रेस, गोरखपुर**

  दोहा सं. 6 (राम नाम मनि दीप धरु…)
  दोहा सं. 99 (करमठ कठमलिया कहै…)
  दोहा सं. 182 (राम राज राजत सकल धाम...)
  दोहा सं. 337 (नीच निचाई नहिं तजइ…)

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **बिहारी : बिहारी रत्नाकर, (सं.) जगन्नाथदास 'रत्नाकर', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**

  दोहा सं. 1 (मेरी भव-बाधा हरौ…)
  दोहा सं. 265 (सहित सनेह, सकोच सुख…)
  दोहा सं. 363 (दृग उरझत, टूटत कुटुम्ब…)
  दोहा सं. 461 (इक भीजैं, चहलैं परैं…)

- **घनानन्द : घनानंद कवित्त, (सं.) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी**

  पद सं. 5 (जासों प्रीति ताहि निठुराई...)
  पद सं. 15 (रावरे रूप की रीति...)
  पद सं. 82 (अति सूधो सनेह को मारग...)

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **भारतेंदु हरिश्चंद्र :**

  नये जमाने की मुकरी (आरंभिक 6 मुकरियां)
  'हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान' शीर्षक कविता से –
  छंद सं. 5 (निज भाषा उन्नति अहै सब ...)
  छंद सं. 9 (यह सब भाषा काम...)
  छंद सं. 78 (अंगरेजी अरु फारसी ....)

- **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :**

  राजे ने अपनी रखवाली की
  तोड़ती पत्थर

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'** :

  साँप
  नदी के द्वीप

- **रघुवीर सहाय :**

  हँसो-हँसो जल्दी हँसो
  पढ़िए गीता

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**असाइनमेंट / समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	**20**		**60**

अनुशंसित ग्रंथ :

1. कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कबीर पुनर्पाठ/ पुनर्मूल्यांकन, (सं.) परमानन्द श्रीवास्तव, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
3. कबीर की भाषा, महेंद्र, आर्य प्रकाशन मंडल, दिल्ली
4. गोस्वामी तुलसीदास, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
5. लोकवादी तुलसीदास, विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. बिहारी का नया मूल्यांकन, बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. बिहारी नवनीत, डॉ. रवीन्द्रकुमार जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

8. घनानंद काव्य और आलोचना, डॉ. किशोरीलाल, साहित्य भवन (प्रा.) लिमिटेड, इलाहाबाद
9. घनानंद और स्वछंद काव्यधारा, मनोहर लाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
10. महाकवि घनानंद, डॉ. राज बुद्धिराजा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
11. मध्ययुगीन काव्य साधना, डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
12. मध्ययुगीन काव्य प्रतिभाएं, डॉ. रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
13. रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली
14. भारतेंदु संचयन, (सं.) रामजी यादव, भारतीय पुस्तक परिषद, नई दिल्ली
15. निराला, डॉ. रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
16. निराला का काव्य, डॉ. बच्चन सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला
17. छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. अज्ञेय : कवि कर्म का संकट, कृष्णदत्त पालीवाल, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
19. अज्ञेय का काव्य, प्रणय कृष्ण, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
20. अज्ञेय कवि और काव्य, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
21. अज्ञेय की कविता परंपरा और प्रयोग, रमेश ऋषिकाव्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
22. रघुवीर सहाय का काव्य एक अनुशीलन, डॉ. शोभा साहेब राणे, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
23. रघुवीर सहाय की काव्यानुभूति और काव्यभाषा, डॉ. अनंतकीर्ति तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन

THREE DISCIPLINE SPECIFIC MULTIDISCIPLINARY COURSE

प्रथम सत्र

SEMESTER- I

MINOR-1

हिन्दी काव्य

HINDI KAVYA

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MIN(Theory)	HINDMIN101	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिन्दी के महत्त्वपूर्ण कवि एवं काव्य से अवगत कराना।
- हिन्दी कविता का प्रवृत्तिगत बोध कराना।
- काव्य की भावगत एवं शिल्पगत उपलब्धियों से परिचित कराना।
- हिन्दी कविता की परंपरा का सामान्य बोध कराना।
- काव्य विधा के प्रति रुचि विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी हिन्दी काव्य का प्रवृत्तिमूलक ज्ञान अर्जित करेंगे। • विद्यार्थियों में व्याख्या करने की क्षमता विकसित होगी।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी काव्य के शिल्प पक्ष का ज्ञान प्राप्त कर काव्य-सृजन की ओर प्रवृत्त होंगे।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **कबीरदास : कबीर ग्रंथावली, (सं.) डॉ. श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी**

  गुरुदेव कौ अंग : दोहा सं. 3 (सतगुरु की महिमा...)
  साध कौ अंग : दोहा सं. 4 (मेरे संगी दोइ...)
  सूरा तन कौ अंग : दोहा सं. 21 (प्रेम न खेतौं...)
  बिरह कौ अंग : दोहा सं. 21 (बिरहा बिरहा जिनि....)

- **तुलसीदास : दोहावली, (अनु.) हनुमान प्रसाद पोद्दार, गीता प्रेस, गोरखपुर**

  दोहा सं. 6 (राम नाम मनि दीप धरु…)
  दोहा सं. 99 (करमठ कठमलिया कहै…)
  दोहा सं. 182 (राम राज राजत सकल धाम...)
  दोहा सं. 337 (नीच निचाई नहिं तजइ…)

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **बिहारी : बिहारी रत्नाकर, (सं.) जगन्नाथदास 'रत्नाकर', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**

  दोहा सं. 1 (मेरी भव-बाधा हरौ…)
  दोहा सं. 265 (सहित सनेह, सकोच सुख…)
  दोहा सं. 363 (दृग उरझत, टूटत कुटुम्ब…)
  दोहा सं. 461 (इक भीजैं, चहलैं परैं…)

- **घनानन्द : घनानंद कवित्त, (सं.) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी**

  पद सं. 5 (जासों प्रीति ताहि निठुराई...)
  पद सं. 15 (रावरे रूप की रीति...)
  पद सं. 82 (अति सूधो सनेह को मारग...)

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **भारतेंदु हरिश्चंद्र :**

  नये जमाने की मुकरी (आरंभिक 6 मुकरियां)
  'हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान' शीर्षक कविता से –
  छंद सं. 5 (निज भाषा उन्नति अहै सब ...)
  छंद सं. 9 (यह सब भाषा काम...)
  छंद सं. 78 (अंगरेजी अरु फारसी ....)

- **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :**

  राजे ने अपनी रखवाली की
  तोड़ती पत्थर

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'** :

  साँप
  नदी के द्वीप

- **रघुवीर सहाय :**

  हँसो-हँसो जल्दी हँसो
  पढ़िए गीता

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**असाइनमेंट / समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	**20**		**60**

अनुशंसित ग्रंथ :

1. कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कबीर पुनर्पाठ/ पुनर्मूल्यांकन, (सं.) परमानन्द श्रीवास्तव, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
3. कबीर की भाषा, महेंद्र, आर्य प्रकाशन मंडल, दिल्ली
4. गोस्वामी तुलसीदास, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
5. लोकवादी तुलसीदास, विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. बिहारी का नया मूल्यांकन, बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. बिहारी नवनीत, डॉ. रवीन्द्रकुमार जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

8. घनानंद काव्य और आलोचना, डॉ. किशोरीलाल, साहित्य भवन (प्रा.) लिमिटेड, इलाहाबाद
9. घनानंद और स्वछंद काव्यधारा, मनोहर लाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
10. महाकवि घनानंद, डॉ. राज बुद्धिराजा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
11. मध्ययुगीन काव्य साधना, डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
12. मध्ययुगीन काव्य प्रतिभाएं, डॉ. रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
13. रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली
14. भारतेंदु संचयन, (सं.) रामजी यादव, भारतीय पुस्तक परिषद, नई दिल्ली
15. निराला, डॉ. रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
16. निराला का काव्य, डॉ. बच्चन सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला
17. छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. अज्ञेय : कवि कर्म का संकट, कृष्णदत्त पालीवाल, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
19. अज्ञेय का काव्य, प्रणय कृष्ण, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
20. अज्ञेय कवि और काव्य, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
21. अज्ञेय की कविता परंपरा और प्रयोग, रमेश ऋषिकाव्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
22. रघुवीर सहाय का काव्य एक अनुशीलन, डॉ. शोभा साहेब राणे, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
23. रघुवीर सहाय की काव्यानुभूति और काव्यभाषा, डॉ. अनंतकीर्ति तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन

THREE DISCIPLINE SPECIFIC MULTIDISCIPLINARY COURSE

प्रथम सत्र

SEMESTER- I

SEC-1

भाषा कौशल : विविध आयाम

BHASHA KAUSHAL: VIVIDH AAYAAM

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
SEC (Theory)	POOASEC103	45	3	2	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- व्याकरण-बोध द्वारा अकादमिक एवं प्रतियोगितामूलक चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना।
- दैनिक जीवन एवं रोजगारपरक उद्देश्य की दिशा में विद्यार्थियों को सक्षम बनाना।
- शुद्ध, सार्थक एवं प्रभावी बहुआयामी अभिव्यक्ति-कौशल से अवगत कराना।
- भाषा कौशल के विविध आयामों से अवगत कराना।
- मीडिया की भाषिक प्रकृति से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी दैनिक, अकादमिक एवं रोजगार की दिशा में अपनी अभिव्यक्ति को समृद्ध कर पाएंगे। • आगामी सत्र में मीडिया सामग्री निर्माण के लिए भाषाई सामर्थ्य विकसित कर पाएंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• वर्तमान मीडिया युग के अनुकूल अपने भाषा कौशल की पहचान कर सकेंगे। • अकादमिक सामग्री के पठन एवं उत्तर-पुस्तिका लेखन की क्षमता विकसित होगी।
रोजगार संबंधी	• रोजगार की अपार संभावनाओं के साथ मीडिया जगत में अपनी प्रतिभा को सार्थक कर पाएंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(14 घंटे)**

हिन्दी व्याकरण-बोध

- वर्ण विचार – वर्ण की परिभाषा, वर्ण-भेद एवं वर्ण-विच्छेद।
- शब्द विचार – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, कारक, संधि, समास, वचन, लिंग, उपसर्ग, प्रत्यय।
- संक्षेपण, भाव पल्लवन, पद्यांश/गद्यांश का व्याकरण आधारित वस्तुनिष्ठ अध्ययन।

इकाई – 2 **(13 घंटे)**

भाषा कौशल के विविध सोपान

- **श्रवण, भाषण, वाचन एवं लेखन कौशल** – परिभाषा, प्रकार, प्रक्रिया, प्रयोजन एवं विकास।

इकाई – 3 **(13 घंटे)**

मीडिया की भाषा

- मुद्रित मीडिया – समाचार-पत्र(राजनीतिक-सामाजिक, खेल, बाजार), पत्रिका, विज्ञापन, बैनर-पोस्टर।
- श्रव्य मीडिया – रेडियो एवं एफ.एम. रेडियो।
- दृश्य-श्रव्य मीडिया – टेलीविजन एवं सिनेमा।
- न्यू मीडिया – इंटरनेट एवं सोशल मीडिया।

➢ **<u>प्रायोगिक परीक्षा हेतु निर्धारित विषय</u>** **(5 घंटे)**

- प्रिंट, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य लेखन एवं संपादन, डिजिटल लेखन एवं संपादन, प्रूफ़ रीडिंग।
- भाषा कौशल के विविध सोपान आधारित गतिविधियां।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

	सत्रांत परीक्षा (प्रैक्टिकल)			सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिक) निर्धारित समय : 2 घंटे
घटक	परियोजना कार्य	परियोजना की प्रस्तुति	प्रायोगिक परीक्षा	
निर्धारित अंक	05	05	10	
पूर्णांक (60)	**20**			**40**

अनुशंसित ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन प. ब्यू., इलाहाबाद
2. हिन्दी व्याकरण, कामताप्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. हिन्दी : शब्द, अर्थ, प्रयोग, हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी शब्द सामर्थ्य, कैलाशचन्द्र भाटिया, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी शिक्षण, डॉ. एस एन श्रीवास्तव, डॉ. सुरेन्द्र सिंह, कादियान जगदम्बा पब्लिशिंग कम्पनी,
6. समाचार पत्रों की भाषा, डॉ. माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. मीडिया और हिन्दी, (सं.) जाधव केशव मौर्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. मीडिया की बदलती भाषा, डॉ. अजय कुमार सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. मीडिया की भाषा लीला, रविकान्त, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प, डॉ. मनोहर प्रभाकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. मीडिया लेखन और संपादन कला, गोविन्द प्रसाद एवं अनुपम पाण्डेय, डिस्कवरी हाउस, दिल्ली
12. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया भाषा, लेखन कला तथा तकनीकी प्रविधि, माया सगरे लक्का, विकास प्रकाशन, कानपुर
13. नया मीडिया नई भाषा, डॉ. सोनाली नरगुंदे, डॉक्टर नम्रता शर्मा, रिजी पब्लिकेशन, पंजाब
14. द आर्ट ऑफ़ पब्लिक स्पीकिंग, डेल कारनेगी, अमृत बुक्स, नई दिल्ली
15. अच्छा बोलने की कला और कामयाबी, डेल कारनेगी, प्रभात पेपरबैक्स, दिल्ली

THREE DISCIPLINE SPECIFIC MULTIDISCIPLINARY COURSE

द्वितीय सत्र
SEMESTER- II

DSC-2
हिन्दी कहानी
HINDI KAHANI

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
DSC(Theory)	HINDDSC202	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिन्दी कहानी विधा एवं प्रमुख कहानीकारों से अवगत कराना।
- हिन्दी कहानी आन्दोलनों के विकास एवं युगीन प्रभाव का अध्ययन कराना।
- कहानी विधा के प्रति रुचि विकसित करना।
- हिन्दी कहानी का तात्त्विक अध्ययन कराना।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की प्रासंगिकता पर विचार करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी हिन्दी कहानी का वस्तुगत ज्ञान अर्जित करेंगे। • विद्यार्थियों में कहानी को समझने की क्षमता विकसित होगी। • कहानी की प्रासंगिकता पर विचार कर सकेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी कहानी विधा के शिल्प पक्ष का ज्ञान प्राप्त कर कथा-सृजन की ओर प्रवृत्त होंगे। • विद्यार्थियों में भाषागत दक्षता का विकास होगा।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **प्रेमचंद** – नमक का दारोगा
- **जयशंकर प्रसाद** – छोटा जादूगर

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **जैनेंद्र कुमार** – अपना अपना भाग्य
- **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'**– रोज

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **यशपाल** – परदा
- **भीष्म साहनी** – अमृतसर आ गया

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **अमरकांत** – डिप्टी कलक्टरी
- **मन्नू भंडारी** – त्रिशंकु

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**असाइनमेंट / समूह चर्चा/क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	**20**		**60**

अनुशंसित ग्रंथ :

1. कहानी नई कहानी, नामवर सिंह, राज कमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. कहानी आंदोलन की भूमिका, बलिराज पांडे, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. आज की हिन्दी कहानी, विजय मोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति- संपादक देवी शंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. नई कहानी की भूमिका- कमलेश्वर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

6. कहानी स्वरूप और संवेदना- राजेंद्र यादव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. हिन्दी कहानी प्रक्रिया और पाठ- सुरेंद्र चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. आधुनिक हिन्दी कहानी- डॉक्टर लक्ष्मी नारायण लाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. कहानी: अनुभव एवं अभिव्यक्ति- राजेंद्र यादव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. नई कहानी का स्वरूप विवेचन- डॉक्टर इंदू रश्मि, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली।
11. समकालीन हिन्दी कहानी- डॉक्टर पुष्पाल सिंह, इरियाना साहित्य अकादमी, चंडीगढ़।
12. समकालीन हिन्दी कहानी और समाजवादी चेतना- डॉक्टर किरण बाला, अनुभव प्रकाशन, कानपुर।
13. स्वातंत्रोत्तर हिन्दी कहानी- डॉक्टर रमेश कुमार गुप्त, हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद।
14. समकालीन कहानी: दिशा एवं दृष्टि- डॉक्टर धनंजय, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
15. हिन्दी कहानी अपनी जबानी- इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
16. हिन्दी कहानी की विकास यात्रा- आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन।
17. समकालीन कहानी का रचना विधान- गंगा प्रसाद विमल, सुषमा पुस्तकालय, दिल्ली।
18. समकालीन कहानी: नया परिप्रेक्ष्य- पुष्पपाल सिंह, सामयिक बुक्स, दिल्ली।

THREE DISCIPLINE SPECIFIC MULTIDISCIPLINARY COURSE

द्वितीय सत्र
SEMESTER- II

MINOR-2
हिन्दी कहानी
HINDI KAHANI

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MIN(Theory)	HINDMIN202	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिन्दी कहानी विधा एवं प्रमुख कहानीकारों से अवगत कराना।
- हिन्दी कहानी आन्दोलनों के विकास एवं युगीन प्रभाव का अध्ययन कराना।
- कहानी विधा के प्रति रुचि विकसित करना।
- हिन्दी कहानी का तात्त्विक अध्ययन कराना।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की प्रासंगिकता पर विचार करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी हिन्दी कहानी का वस्तुगत ज्ञान अर्जित करेंगे। • विद्यार्थियों में कहानी को समझने की क्षमता विकसित होगी। • कहानी की प्रासंगिकता पर विचार कर सकेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी कहानी विधा के शिल्प पक्ष का ज्ञान प्राप्त कर कथा-सृजन की ओर प्रवृत्त होंगे। • विद्यार्थियों में भाषागत दक्षता का विकास होगा।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **प्रेमचंद** – नमक का दारोगा
- **जयशंकर प्रसाद** – छोटा जादूगर

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **जैनेंद्र कुमार** – अपना अपना भाग्य
- **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'**– रोज

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **यशपाल** – परदा
- **भीष्म साहनी** – अमृतसर आ गया

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **अमरकांत** – डिप्टी कलक्टरी
- **मन्नू भंडारी** – त्रिशंकु

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			**सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)**
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**असाइनमेंट/ समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	**20**		**60**

अनुशंसित ग्रंथ :

1. कहानी नई कहानी, नामवर सिंह, राज कमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. कहानी आंदोलन की भूमिका, बलिराज पांडे, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. आज की हिन्दी कहानी, विजय मोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति- संपादक देवी शंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. नई कहानी की भूमिका- कमलेश्वर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

6. कहानी स्वरूप और संवेदना- राजेंद्र यादव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. हिन्दी कहानी प्रक्रिया और पाठ- सुरेंद्र चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. आधुनिक हिन्दी कहानी- डॉक्टर लक्ष्मी नारायण लाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. कहानी: अनुभव एवं अभिव्यक्ति- राजेंद्र यादव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. नई कहानी का स्वरूप विवेचन- डॉक्टर इंदू रश्मि, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली।
11. समकालीन हिन्दी कहानी- डॉक्टर पुष्पाल सिंह, इरियाना साहित्य अकादमी, चंडीगढ़।
12. समकालीन हिन्दी कहानी और समाजवादी चेतना- डॉक्टर किरण बाला, अनुभव प्रकाशन, कानपुर।
13. स्वातंत्रोत्तर हिन्दी कहानी- डॉक्टर रमेश कुमार गुप्त, हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद।
14. समकालीन कहानी: दिशा एवं दृष्टि- डॉक्टर धनंजय, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
15. हिन्दी कहानी अपनी जबानी- इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
16. हिन्दी कहानी की विकास यात्रा- आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन।
17. समकालीन कहानी का रचना विधान- गंगा प्रसाद विमल, सुषमा पुस्तकालय, दिल्ली।
18. समकालीन कहानी: नया परिप्रेक्ष्य- पुष्पपाल सिंह, सामयिक बुक्स, दिल्ली।

THREE DISCIPLINE SPECIFIC MULTIDISCIPLINARY COURSE

द्वितीय सत्र
SEMESTER-II

SEC-2
मीडिया सामग्री निर्माण
MEDIA SAMAGRI NIRMAN

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
SEC (Theory)	POOBSEC216	45	3	2	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को अपनी पाठ्य सामग्री की डिजिटल प्रस्तुति में सक्षम बनाना।
- विद्यार्थियों को मीडिया जगत में रोजगार के लिए सक्षम बनाना।
- विशेषकर भाषा साहित्य के विद्यार्थियों को साहित्य में निहित मूल्यों के तहत मीडिया के प्रति उनकी जवाबदेही को गंभीर बनाना।
- न्यू-मीडिया में रोजगार के अवसरों से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes) :

ज्ञान संबंधी	• डिजिटल दौर में विद्यार्थी अपनी पाठ्य सामग्री को सार्थक एवं आकर्षक ढंग से तैयार कर सकेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• साहित्य से अर्जित मानव मूल्यों को डिजिटल प्लेटफार्म पर साकार कर पाएंगे। • मोबाइल के माध्यम से अपने सृजनात्मक कौशल को विकसित कर पाएंगे।
रोजगार संबंधी	• बहुआयामी मीडिया में रोजगार के अवसर लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई-1 **15 घंटे**

मीडिया सामग्री निर्माण

- अवधारणा, प्रकार, विविध रूप एवं चरण, प्रस्तुति कला।
- सामग्री निर्माण हेतु विविध उपकरण– टंकण (लेखन) एवं संपादन, ऑडियो-वीडियो, फोटोग्राफी, ग्राफिक एवं डिजाइन के उपकरण।

इकाई-2 **15 घंटे**

विविध मीडिया सामग्री : परिचय एवं निर्माण प्रक्रिया

- **मुद्रित सामग्री** – समाचार, फीचर, पटकथा, फ्लेक्स, बैनर, होर्डिंग, पोस्टर, विवरणिका।
- **श्रव्य सामग्री** – रेडियो, एफ.एम. रेडियो, ऑडियोबुक।
- **दृश्य-श्रव्य सामग्री** – समाचार वाचन, साक्षात्कार, टॉक शो, समूह चर्चा (पैनल डिस्कशन), एंकरिंग, वॉक्सपॉप, वॉकथ्रू, लघु फिल्म, डॉक्यूमेंट्री।

इकाई-3 **10 घंटे**

न्यू मीडिया सामग्री : परिचय एवं निर्माण प्रक्रिया

- ब्लॉगिंग, व्लॉगिंग, पॉडकास्ट, रील्स, शॉर्ट्स।

➢ **<u>प्रायोगिक परीक्षा हेतु निर्धारित विषय</u>** **5 घंटे**

- समाचार, रिपोर्टिंग, बैनर, होर्डिंग, पोस्टर, विवरणिका
- कहानी का पटकथा रूपांतरण अथवा पटकथा लेखन
- मुद्रित, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य एवं बहुमाध्यम सामग्री निर्माण
- पॉडकास्ट, साक्षात्कार, उपयोगी एवं प्रेरक रील्स, एंकरिंग, टॉक शो, पैनल डिस्कशन, वॉक्स पॉप, वॉकथ्रू

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

	सत्रांत परीक्षा (प्रैक्टिकल)			**सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिक) निर्धारित समय : 2 घंटे**
घटक	परियोजना कार्य	परियोजना की प्रस्तुति	प्रायोगिक परीक्षा	
निर्धारित अंक	05	05	10	
पूर्णांक (60)	**20**			**40**

अनुशंसित ग्रंथ –

1. कंटेंट मंत्रा, इरफान-ए-आज़म किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कंप्यूटर और हिन्दी, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
3. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प, डॉ. मनोहर प्रभाकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. समाचार एवं प्रारूप-लेखन, डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेशकुमार गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन
5. पटकथा लेखन -एक परिचय, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. टेलीविजन की भाषा, हरीशचन्द्र बर्णवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. रेडियो वार्ता शिल्प, सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
8. भारत में प्रिंट, इलेक्ट्रोनिक और न्यू मीडिया, संदीप कुलश्रेष्ठ, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
9. इलेक्ट्रानिक मीडिया भाषिक संस्कार और संस्कृति, डॉ. साकेत सहाय, मानव प्रकाशन, दिल्ली
10. हिन्दी विज्ञापन सरंचना और प्रभाव, डॉ. सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. टीवी एंकरिंग चैनलों के चेहरे, डॉ. श्याम कश्यप एवं मुकेश कुमार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
12. मीडिया में कैरियर, पुष्पेन्द्र कुमार आर्य, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली
13. डिजिटल मीडिया, इरफ़ान-ए-आज़म, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
14. प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धांत और प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
15. संवाद एवं संपादन कला, मधुसूदन त्रिपाठी, साहित्य संचयन प्रकाशन, नई दिल्ली
16. समाचार पत्र प्रबंधन, गुलाब कोठारी, राजेस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी , जयपुर

THREE DISCIPLINE SPECIFIC MULTIDISCIPLINARY COURSE

द्वितीय सत्र

SEMESTER-II

AEC

हिन्दी : सृजन और संप्रेषण

HINDI : SRIJAN AUR SAMPRESHAN

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Component
				Lecture
AEC (Theory)	HINDAEC001	60	4	4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को अपनी पाठ्य सामग्री की डिजिटल प्रस्तुति में सक्षम बनाना।
- विद्यार्थियों को मीडिया जगत में रोजगार के लिए सक्षम बनाना।
- विशेषकर भाषा साहित्य के विद्यार्थियों को साहित्य में निहित मूल्यों के तहत मीडिया के प्रति उनकी जवाबदेही को गंभीर बनाना।
- न्यू-मीडिया में रोजगार के अवसरों से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes) :

ज्ञान संबंधी	• डिजिटल दौर में विद्यार्थी अपनी पाठ्य सामग्री को सार्थक एवं आकर्षक ढंग से तैयार कर सकेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• साहित्य से अर्जित मानव मूल्यों को डिजिटल प्लेटफार्म पर साकार कर पाएंगे। • मोबाइल के माध्यम से अपने सृजनात्मक कौशल को विकसित कर पाएंगे।
रोजगार संबंधी	• बहुआयामी मीडिया में रोजगार के अवसर लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई –1 **(15 घंटे)**

साहित्य

पद्य

- **कबीरदास :**

  कबीरा खड़ा बाजार में...

  पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ.

- **रामधारी सिंह 'दिनकर' :**

  अवकाश वाली सभ्यता

- **दुष्यंत कुमार :**

  कहाँ तो तय था चरागाँ हर एक घर के लिये

गद्य

- **प्रेमचंद**

  आहुति (कहानी)

- **हरिशंकर परसाई**

  इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर (व्यंग्य)

इकाई - 2 **(15 घंटे)**

- साक्षात्कार– अवधारणा प्रकार एवं प्रक्रिया।
- संप्रेषण– अवधारणा प्रकार एवं प्रक्रिया।
- पुस्तक समीक्षा, फिल्म समीक्षा, विज्ञापन समीक्षा लेखन।

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति (अनुच्छेद 343 से 351)
- हिन्दी भाषा के विविध रूप – बोलचाल की भाषा, सर्जनात्मक भाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा एवं राजभाषा का सामान्य परिचय ।

इकाई - 4 **(15 घंटे)**

- पत्र-लेखन – औपचारिक पत्र एवं अनौपचारिक पत्र ।
- भाव पल्लवन, संक्षेपण, अनुच्छेद एवं निबंध लेखन ।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**असाइनमेंट/ समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	**20**		**60**

अनुशंसित ग्रंथ –

1. कबीर पुनर्पाठ/ पुनर्मूल्यांकन, परमानन्द श्रीवास्तव, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
2. पूरा कबीर, (सं.) बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
3. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन प. डिस्ट्रीब्यूटर, पटना
4. हिन्दी व्याकरण, कामताप्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
5. हिन्दी : शब्द, अर्थ, प्रयोग, हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
6. कबीर ग्रंथावली, (सं) डॉ. श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. राजभाषा हिन्दी, डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
8. अपराजेय आस्था के कवि दुष्यंत कुमार, कृष्ण कमलेश, भारतदेशम् प्रकाशन, दिल्ली
9. साये में धूप, दुष्यंत कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. दुष्यंत कुमार की ग़ज़लों का रचना विधान, मिथिलेश वामनकर, शिवना प्रकाशन, भोपाल
11. दिनकर के काव्य में प्रगतिशील चेतना, देवजानी सेन, सार्थक पब्लिकेशन, कोलकाता
12. प्रेमचंद की कहानियों का समाजशास्त्रीय विश्लेषण, अनीता रानी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
13. प्रेमचंद, (सं) सत्येंद्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
14. व्यंग्य का सौंदर्यशास्त्र, मलय, शब्दसृष्टि प्रकाशन, दिल्ली
15. संप्रेषण : चिंतन और दक्षता, डॉ. मंजु मुकुल, शिवालिक प्रकाशन
16. विज्ञापन डॉट कॉम, डॉ. रेखा सेठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
17. विज्ञापन की प्रवृति और संरचना, डॉ. मीरा चतुर्वेदी
18. सम्प्रेषण की समग्रता, गुलाब कोठारी, इंद्रा पब्लिशिंग, दिल्ली
19. सम्प्रेषण : चिंतन और दक्षता, डॉ. मंजु मुकुल, शिवालिक प्रकाशन
20. भाषा और सम्प्रेषण, डॉ. अनिरुद्ध कुमार 'सुधांशु', श्री नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली